इन सुविधाओं की समय समय पर समीक्षा की जाती है और फिलहाल ये सुविधाएं पर्याप्त समझी जाती हैं।

गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग

569. श्री मोर्जा इर्शाद बेग : क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई कितनी है, 1962 से 1982 तक की 20 वर्षीय सड़क विकास योजना के अधीन गुजरात के लिए कितनी दूरी को राष्ट्रीय उपराजमार्ग का आबंटन किया जाना था,

(ख) छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान इस सड़क की लम्बाई में कितनी वृद्धि की गई और उसके क्या कारण थे ;

(ग) राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम के अधीन गुजरात में सड़कों का दर्जा बढ़ाये जाने के लिए राष्ट्रीय परिवहन समिति ने किन किन सड़कों का सुझाव दिया है और इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ;

(घ) गुजरात के तटीय राजमार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवर्तित किए जाने के संबंध में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद् द्वारा 1980 में क्या मांग की गई थी, उस पर क्या कार्यवाही की गई है; और

(ङ) ऐसी अन्य सड़कों के क्या नाम हैं जिन्हें गुजरात सरकार का राष्ट्रीय उपराजमार्ग घोषित किए जाने का प्रस्ताव है और इस पर क्या निर्णय लिया गया है तथा उसके क्या कारण है और इस संबंध में अगली पंचवर्षीय योजना में और क्या कार्यवाही की जानी है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) इस समय देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई, 32,138 कि.मी. है जिसमें 1491 कि.मी. गुजरात में है। बीस वर्षीय सड़क विकास योजना में गुजरात राज्य के लिए कोई राष्ट्रीय उपराजमार्ग नहीं दर्शाया गया है।

(ख) छठी पंचवर्षीय योजना में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 2687 कि० मी० की वृद्धि हुई थी।

(ग) राष्ट्रीय परिवहन नीति समिति ने गुजरात से होकर गुजरने वाली निम्नलिखित सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की सिफारिश की :—

1. ब्यावर सिरोही राधनपुर (कांडला तक)।
2. बड़ौदा (बड़ौदरा) धुले-शोलापुर।
3. अहमदाबाद- इदौर-देवास-भोपाल।

सरकार ने ब्यावर (राजस्थान)-सिरोही राधनपुर (गुजरात में) से कांडला तक की सड़क को सिद्धांत रूप में राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का अनुमोदन किया है।

(घ) पश्चिम क्षेत्रीय परिषद ने सुझाव दिया कि गुजरात में पश्चिम तट सड़क को सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में शामिल करने को प्राथमिकता दी जाए। संसाधनों की कमी के कारण सुझाव को स्वीकार कर पाना संभव नहीं हो पाया है।

(ङ) राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में घोषित करने के लिए प्रस्तावित अन्य सड़कों का ब्यौरा विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिये) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान अहमदाबाद से बड़ोदरा तक 93 कि० मी० लम्बी सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया है वित्तीय प्रतिबन्धों तथा अन्य प्राथमिकताओं को दृष्टि में रखते हुए इस समय गुजरात में उपरोक्त सड़कों को छोड़ कर किन्हीं अन्य सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करना संभव नहीं है। अगली पंचवर्षीय योजना में प्रस्तावित कार्रवाई के बारे में अभी कुछ कह पाना संभव नहीं है।

विवरण

क्र० सं०	रूट	लम्बाई कि० मी० में
1.	मालिया-जामनगर-डखा-पोरबंदर-दिव-भावनगर (तटीय राजमार्ग)	899
2.	हजीरा-सूरत-धुलिया (महाराष्ट्र सीमा)	254
3.	सूरत-धुलिया-कलकत्ता बरास्ता कडोदरा-बारडोली-व्यारा-सोनगंध-सहुवा-शीरा सीमा	115
4.	अहमदाबाद-इंदौर-भोपाल-बरास्ता-कुहा-कथलाल-दहोद	137.40
5.	लखपत-कांडला-डखा-पोरबंदर-कम्बे-दहोज-बम्बई-तटीय राजमार्ग	—
6.	देवास-सिरोही-राधनपुर-कांडला	168.6
7.	वडोदरा-धुलिया-शोलपुर बरास्ता-दहोई-भवंग-सिबोना	178
8.	वलाड-मासिका-पुणे-हैदराबाद बरास्ता चिखो-वनोदा	103.8
9.	कांडला-लखपत-बरास्ता भुज	167.0
10.	अहमदाबाद-वीरमगाम-धारंगधरा-हलवाड-मालिया-कांडला	182.5
11.	अहमदाबाद-कलोल-मेहसाना-पालनपुर	194.8
12.	बागडोगरा-वतामन	30.5

Helicopter service to tourists in Orissa

570. SHRI SUBAS MOHANTY: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state whether any helicopter service is proposed to be introduced for important cities particularly of tourism interest in Orissa; if so, when?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL): M/s. Pawan Hans do not contemplate operating helicopter services on their own in the State of Orissa. Pawan Hans Ltd. had, however, offered a helicopter on lease to the Government of Orissa for operating services as per latter's requirements.

Construction of Talcher-Sambalpur Rail line

571. SHRI SUBAS MOHANTY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what were the physical and financial targets set during 1986 and 1987, separately, for construction of Talcher-Sambalpur rail line;

(b) whether the target could be achieved; if not, the shortfalls during each year;

(c) what are the physical targets set and the financial allocations made for 1988: and

(d) by when the project is likely to be completed and the present rate of construction?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) and (b) The physical targets, in terms of overall percentage progress, achieved during 1986-87 and 1987-88 were 6.5 per cent and 9 peer cent respectively. On the financial side the outlays provided were Rs. 2 crore in 1986-87 and Rs. 5 crore in 1987-88, against which the expenditure actually booked was Rs. 1.87 crore and Rs. 3.21 crore, respectively.

(c) The physical target set for 1988-89 is 14 per cent and the outlay provided is Rs .5 crore. An additional amount of Rs. 3 crore has recently been allocated.

(d) Completion of the project will depend on availability of resources in coming years.

Vacant post of Chairman, Regional Railway Recruitment Board, Bhubaneshwar

572. SHRI SUBAS MOHANTY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state: